॥ वन्देमातरम् ॥

संस्कार

सहयोग सेवा

सम्पर्क समर्पण

तमसो मा ज्योतिर्गमय
स्था. 1963
Reg. No. S-2272

भारत विकास परिषद्

राजस्थान (मध्य) प्रान्त

वर्ष 2019

का मुख्य पत्र

अंक अप्रेल-जून

नई दिशा

प्रान्तीय कार्यकारिणी दायित्व ग्रहण

॥ जल ही जीवन है ॥

स्वच्छ - स्वस्थ - समर्थ - संस्कारित भारत

अध्यक्षीय लेखनी

आदरणीय बन्धुओं,

भारत विकास परिषद् राजस्थान मध्य प्रान्त का मुख पत्र 'नई दिशा' आपके सामने प्रस्तुत है। नई दिशा में प्रान्त व शाखाओं की त्रैमासिक गतिविधियों को संकलित कर प्रस्तुत किया गया है, जो सभी शाखाओं के मध्य संपर्क का माध्यम बनेगी। कार्यक्रमों की उत्कृष्टता व सुचारू कार्यसंचालन स्वस्थ, समर्थ और संस्कारित भारत के लक्ष्य की ओर बढ़ने हेतु सभी दायित्वधारियों, कार्यकर्ताओं और सदस्यों में नई ऊर्जा का संचार करेगी।

हमें हमारे सेवा के प्रकल्पों से समाज में व्याप्त बुराईयों को दूर करने का भरसक प्रयास करना है, 'नर सेवा–नारायण सेवा' के विचार को हमारे हृदय में धारण कर पीड़ित मानवता की सेवा करनी है। तभी हम हमारे उद्देश्यों को प्राप्त करने में सफल होंगे।

आप सभी साथियों की बदौलत केन्द्र राजस्थान मध्य प्रान्त को नई निगाह से देख रहा है, आशा है हम अपने कार्यक्रमो को 'नई दिशा' देते हुए ओर निखरेंगे।

कैलाश अजमेरा
प्रान्तीय अध्यक्ष

सम्पादकीय.....

आदरणीय बन्धुओं,

भारत विकास परिषद् राजस्थान मध्य प्रान्त का त्रैमासिक दर्पण ''नई दिशा'' का प्रथम अंक आपके हाथों में अर्पण कर खुशी का अनुभव कर रहा हूँ।

विगत वर्षों में प्रान्त ने अपने कार्यक्रमों के बलबूते प्रगति के नये सोपान तय कर समाज में अपनी गहरी पेठ बनाई है, इसी कारण समाज व राष्ट्र के प्रति हमारी जिम्मेदारी ओर बढ़ गई है। केन्द्र द्वारा निर्देशित एक शाखा – एक गाँव व जल संरक्षण के महत्ती कार्यक्रम हमें ग्रामीण अंचल के भीतर तक पहुँचने का असीम सुख, चुनौती पूर्ण कार्य करने हेतु प्रेरित करेगी।

दिशा में आप सभी द्वारा विगत तीन माह में सम्पादित कार्यक्रमों का संक्षिप्त लेखा जोखा व आगामी कार्यक्रमों के संपादन की रूपरेखा है। जिसे पढ़कर आप अपने कार्यक्रमों को नई दिशा प्रदान कर सकेंगे। इन्हीं भावनाओं के साथ

'कौन कहता है कि आसमां में छेद नहीं हो सकता।
एक पत्थर तो तबीयत से उछालो यारों।'

अरूण पारीक
प्रान्तीय संयुक्त महासचिव

महासचिव की कलम से ....

सत्र 2019-21 हेतु परिषद् कि संगठन संरचना के अनुरूप सभी शाखाओं में नवीन दायित्वधारी व नई टीम का चयन हो चुका है। शाखाओं में समयबद्ध कार्य योजनाओं के माध्यम से अपने लक्ष्यों की पूर्ति एवं केन्द्र व रीजन द्वारा निर्देशित प्रकल्पों के क्रियान्वयन की विस्तृत चर्चा प्रान्तीय और जिला कार्यशालाओं में हुई। सभी शाखाओं को प्रान्त द्वारा तय लक्ष्य एवं विवरण पत्र प्रेषित किये गये हैं।

बन्धुओं हमारे मस्तिष्क की कार्यक्षमता हमारे द्वारा तय लक्ष्य के अनुसार घटती-बढ़ती है, महानतम लक्ष्य प्राप्ति के लिए शक्ति और साहस स्वत: ही विकसित हो जाते हैं, जिसका अनुपम उदाहरण प्रान्त की सदस्यता वृद्धि है। 28 शाखाओं द्वारा सदस्यता वृद्धि लक्ष्य की पूर्ति का परिणाम ही है कि रीजन द्वारा प्रान्त को दिये गए 2500 सदस्यों के लक्ष्य को पूरा कर लिया है। 30 जून तक प्रान्त की सदस्य संख्या गत वर्ष की 2351 से बढ़कर 2660 हो गई है। युवा शाखा भीलवाड़ा द्वारा 251 सदस्यता का गौरव, पुष्कर शाखा के 252 प्रतिशत सदस्यता वृद्धि,14 शाखाओं में 75 से ज्यादा सदस्य व भीलवाड़ा शहर में 700 सदस्य, संगठन का समाज में स्वीकार्यता का भाव दर्शाती है। हमारा मुख्य लक्ष्य समाज के यशस्वी, सम्पन्न एवं प्रबुद्ध वर्ग को परिषद् से जोड़ना है, जिसके लिये हम कृत संकल्पित हैं।

संगठन विस्तार के दूसरे पहलू शाखा विस्तार के सन्दर्भ में हमे संयुक्त प्रयास करते हुए यह सुनिश्चित करना है कि प्रान्त की प्रत्येक तहसील व नगर में परिषद् की शाखा हो। जब तक बड़ी संख्या में समर्पित कार्यकर्ताओं की सक्रिय टीम न हों तब तक संस्कार व सेवा कार्यों का प्रभाव सामाजिक जीवन पर प्रकट नहीं होगा।

इस वर्ष '**एक शाखा-एक गाँव**' प्रकल्प के माध्यम से एक गाँव को आदर्श गाँव बनाने का संकल्प, '**महिला जागरूकता की ओर एक कदम**' के माध्यम से नारी शक्ति की सहभागिता, आत्मरक्षा व आत्मनिर्भता सुनिश्चित करना एवं '**स्वास्थ्य परिक्रमा**' के माध्यम से स्वस्थ भारत का सपना साकार करना एवं '**जल संरक्षण**' के क्षेत्र में विशेष कार्य करने पर बल रहेगा।

अपने प्रकल्पों व कार्यक्रमों में ऐसे नवाचार, प्रयोग व नये आयोजन करें, जो व्यक्ति निर्माण, समाज परिवर्तन और कार्यकर्ता में संगठनशीलता एवं संवेदनशीलता का भाव जागृत करें। मुझे विश्वास है कि हम सभी मिलकर सकारात्मक सोच, सकारात्मक कार्यपद्धति व सहयोग से प्रगति के सोपान निर्धारित करेंगे और समर्पण भाव से परिषद् की रीति-नीति के अनुसार कार्य करते हुए राजस्थान मध्य प्रान्त के सम्मान में उत्तरोत्तर वृद्धि करेंगे।

''एक पेड़ ऐसा भी लगाया जाए, जिसकी छाँव पड़ोसी के घर तक जाए
अगर वह भूखा रहे अपने घर में तो मुझसे भी खाया ना जाये।''

सीए संदीप बाल्दी
प्रान्तीय महासचिव

प्रान्तीय कार्यकारिणी प्रथम बैठक

संगठन

भारत विकास परिषद् में संगठन के अन्तर्गत राष्ट्र स्तर पर, रीजन स्तर पर, प्रान्त स्तर पर व शाखा स्तर पर बैठकें आयोजित होती है। भारत विकास परिषद् राजस्थान मध्य प्रांत में प्रान्तीय कार्यकारिणी की वर्ष पर्यन्त 4 बैठकें, 2 प्रान्तीय परिषद् बैठकें, प्रांतीय दायित्व ग्रहण समारोह, प्रांतीय कार्यशाला, जिला कार्यशाला व महिला कार्यशाला का आयोजन किया जाता है।

इस सत्र् की प्रथम प्रांतीय परिषद् की बैठक बदनोर शाखा द्वारा आयोजित की गई जिसमें राजस्थान मध्य प्रांत के भीलवाड़ा, अजमेर व राजसमंद जिले की 31 शाखाओं के 165 से अधिक सदस्यों ने भाग लिया। कार्यक्रम की अध्यक्षता परिषद के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष-कार्यालय श्री श्याम जी शर्मा ने की। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन व वन्दे-मातरम् गायन से किया गया। मध्य प्रांत के अध्यक्ष के दायित्व हेतु श्री कैलाश जी अजमेरा, प्रांतीय महासचिव श्री संदीप जी बाल्दी, प्रांतीय वित्तसचिव श्री सुधीर जी व्यास, उपाध्यक्ष के लिए श्री पारस जी बोहरा, श्री रामेश्वर जी काबरा, श्री रतन लाल जी नाहर तथा संगठन मंत्री के लिए श्री सुभाष जी जैन को दायित्व की शपथ दिलाई गई। साथ ही सत्र् 2019-21 के लिए परिषद् के विभिन्न प्रकल्पों के लिए भी समस्त कार्यकारिणी को कार्यक्रम अध्यक्ष द्वारा दायित्व की शपथ दिलाई। कार्यक्रम के दूसरे सत्र में राजस्थान मध्य प्रांत की सभी शाखाओं के अध्यक्ष, सचिव, कोषाध्यक्ष और महिला प्रमुख की अलग-अलग ग्रुप में बैठकर वर्ष पर्यंत होने वाले कार्यक्रमों की खुली परिचर्चा की गई, साथ ही केंद्र एवं रीजन से निर्देशित कार्यक्रमों की जानकारी भी प्रदान की गई।

प्रान्तीय जिला प्रकल्प कार्यशालाएँ

भारत विकास परिषद् राजस्थान (मध्य) प्रान्त की जिला भीलवाड़ा एवं राजसमन्द की प्रकल्प कार्यशाला का आयोजन गंगापुर शाखा द्वारा किया गया। इस जिला प्रकल्प कार्यशाला में भीलवाड़ा व राजसमन्द जिले की 16 शाखाओं से 11 प्रांतीय पदाधिकारियों सहित 92 पुरुष एवं 22 महिला सहित कुल 114 पदाधिकारियों व सदस्यों ने भाग लिया।

कार्यक्रम में प्रांतीय अध्यक्ष कैलाश जी अजमेरा ने कार्यशाला की आवश्यकता पर प्रकाश डाला। प्रांतीय संरक्षक कमल किशोर जी व्यास ने शाखा व सदस्यता विस्तार के बारे में बताया। कार्यशाला में शिवदयाल जी अरोड़ा ने गुरु वंदन-छात्र अभिनंदन, अरुण जी बाहेती ने राष्ट्रीय व संस्कृत समूहगान, मुकेश जी लाठी ने भारत को जानो, भारती जी मोदानी ने संस्कृति सप्ताह, देवराज जी सुरतानिया ने रक्तदान - देहदान - नेत्रदान, गुणमाला जी अग्रवाल ने महिला जागरूकता, आलोक जी गुप्ता ने एक शाखा एक गाँव, रमेश जी शर्मा ने योग एवं पर्यावरण, रतन लाल जी नाहर ने सरल सामूहिक विवाह, पारसमल जी बोहरा ने शाखा संचालन व प्रोटोकॉल, अरुण जी पारीक ने बैठक कार्यवाही व रिकॉर्ड, सुभाष जी जैन ने संगठन विषय पर सम्बोधन दे परिषद् के विभिन्न प्रकल्पों की जानकारी दी। वित्त एवं एओपी पंजीकरण, पेनकार्ड व प्रांतीय वेबसाइट रिपोर्टिंग पर संदीप जी बाल्दी ने प्रकाश डाला। खुला सत्र में कार्यशाला में पधारे हुए कार्यकर्ता बंधुओं और दायित्वधारियों ने अपनी जिज्ञासा एवं शंकाओं को दूर करने के लिए प्रश्न पूछे जिसमें कार्यक्रम अध्यक्ष श्री पवन जी अग्रवाल, रीजनल मंत्री द्वारा समाधान एवं मार्गदर्शन प्राप्त हुआ।

प्रान्तीय जिला प्रकल्प कार्यशालाएँ

भारत विकास परिषद् राजस्थान (मध्य) प्रान्त की अजमेर जिला प्रकल्प कार्यशाला का आयोजन शाखा स्वामी विवेकानंद, किशनगढ़ द्वारा किया गया। इस जिला प्रकल्प कार्यशाला में अजमेर जिले की 12 शाखाओं से 8 प्रांतीय पदाधिकारियों सहित 71 पुरुष एवम 11 महिला सहित कुल 82 पदाधिकारियों व सदस्यों ने भाग लिया।

कार्यक्रम में रीजनल मंत्री अनिल जी गोयल ने कार्यशाला की आवश्यकता पर प्रकाश डाला। प्रांतीय संरक्षक मुकुट बिहारी जी मालपानी ने शाखा व सदस्यता विस्तार के बारे में बताया। कार्यशाला में शिवदयाल जी अरोड़ा ने गुरु वंदन – छात्र अभिनंदन, दिलीप जी पारीक ने राष्ट्रीय व संस्कृत समूहगान, मुकेश जी लाठी ने भारत को जानो, अर्पिता जी गोयल ने संस्कृति सप्ताह, देवराज जी सुरतानिया ने रक्तदान देहदान नेत्रदान, गुणमाला जी अग्रवाल ने महिला जागरूकता, आलोक जी गुप्ता ने एक शाखा एक गाँव, पवन जी बांगड़ ने योग एवं पर्यावरण, लादूलाल जी जागेटिया ने नशा मुक्ति, रतन लाल जी नाहर ने शाखा संचालन व प्रोटोकॉल, गोविन्द जी अग्रवाल ने बैठक कार्यवाही व रिकॉर्ड, सुभाष जी जैन ने संगठन विषय पर सम्बोधन दे परिषद् के विभिन्न प्रकल्पों की जानकारी दी। वित्त एवं एओपी पंजीकरण, पेनकार्ड व प्रांतीय वेबसाइट रिपोर्टिंग पर संदीप जी बाल्दी ने प्रकाश डाला। कार्यशाला में अध्यक्ष श्री मालचन्द जी गर्ग, राष्ट्रीय मंत्री का मार्गदर्शन प्राप्त हुआ।

संस्कार

नवसंवत्सर

नवसंवत्सर का कार्यक्रम 33 शाखाओं द्वारा 103 कार्यक्रमों के माध्यम से हर्षोल्लास के साथ मनाया गया।

शाखाओं द्वारा नववर्ष की पूर्व संध्या पर सार्वजनिक स्थलों पर टोलियाँ बनाकर द्वीप प्रज्जवलन किया गया, रंगोली बनाई गई एवं रोशनी से सजावट की गई। वन्देमातरम् जयघोष करते हुए भव्य जन वाहन रैली एवं शोभायात्राओं, प्रभात फेरी व हरिकीर्तन का आयोजन। भारतमाता, स्वामी विवेकानन्द व महापुरूषों की झांकी प्रदर्शन। ढ़ोल एवं बैण्ड के साथ नववर्ष का स्वागत। वाहन पर स्टीकर लगाकर नववर्ष की शुभकामनाएँ। बधाई के साथ मिश्री, कालीमिर्च व नीम का प्रसाद वितरण। तिलक द्वारा नगरवासियों का अभिनन्दन किया गया।

नवसंवत्सर के विशेष अभिनन्दनीय कार्य

बिजयनगर शाखा द्वारा नववर्ष की पूर्व संध्या पर मुख्य बाजार में भव्य सुन्दरकाण्ड पाठ।

भीलवाड़ा की **विवेकानन्द, प्रताप, सुभाष एवं युवा** शाखा द्वारा वाहन रैली एवं शोभायात्रा निकाली गई, जिसमें पुरूष श्वेत वस्त्र व महिला केसरिया साड़ी एवं साफे में थी, शोभायात्रा मुख्य बाजार में निकाली गई व नववर्ष की शुभकामनाएँ दी गई। नववर्ष की संध्या पर 11,000 दीपक से भीलवाड़ा रेल्वे स्टेशन पर आकर्षक सजावट। **ब्यावर** शाखा द्वारा 250 बधाई संदेश व 10,000 दीपकों से आकर्षक सजावट। **गंगापुर** शाखा द्वारा प्रात: काल आतिशबाजी, महापुरूषों की झांकियाँ रैली निकालकर नववर्ष की शुभकामनाएँ, ठण्ड़ाई व नुगती वितरण। **देवगढ़** शाखा द्वारा सभी को मतदान करने की अपील की व 101 दीपक प्रज़्वलित कर नववर्ष की शुभकामनाएँ दी। **गुलाबपुरा** शाखा द्वारा वाहन पर स्टीकर लगाकर नववर्ष की शुभकामनाएँ दी व रैली का आयोजन। **राजसमंद** द्वारा मुख्य बाजार में भव्य **देशभक्ति गीतों** पर आधारित सांस्कृतिक संध्या का आयोजन। **नाथद्वारा** शाखा द्वारा सभी को लच्छा बांधकर व तिलक लगाकर, रंगोली बनाकर नीम की कोपल, गुड़, काली मिर्च व मिश्री का प्रसाद वितरित कर नववर्ष की शुभकामनाएँ दी।

हिन्दू नववर्ष का किया स्वागत

भिनाय,(काप्र.-सरेराइ)। भारत विकास परिषद के तत्वावधान में आयोजित हिन्दू नववर्ष स्वागत कार्यक्रम में शाखा संरक्षक अमिताभ सनाढ्य ने भारत के पुन: विश्वगुरु बनने की मंगल कामना की सनाढ्य ने उपस्थित शाखा सदस्यो और ग्रामवासियो से आह्वान किया कि वे अपने दिनभर के समय मे से कुछ समय देश सेवा और राष्ट्र भक्ति के लिए निकाले। विक्रम संवत 2076 नूतन वर्ष के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में गढ़ चौक पर विशाल रंगोली बनाकर दीपदान किया गया। भारत माता और युगपुरुष स्वामी विवेकानंद जी की आरती सभी उपस्थित सदस्यो ने की। इस अवसर पर शाखा अध्यक्ष शिवजी मेवाड़ा ने सभी आगन्तुक ग्रामवासियों का स्वागत किया और भारत विकास परिषद के कार्यो को विस्तार से बताया। इस अवसर पर ओमप्रकाश सनाढ्य, धनराज नागर, रामसिंह शेखावत, शंकर सिंह चौहान, शाखा सचिव मानसिंह राठौड़, कोषाध्यक्ष अविनाश शर्मा, राधेश्याम जांगिड़, अरविंद सेन, लोकेन्द्र सिंह चौहान, धर्मेंद्र सिंह राठौड़, प्रमोद तिवाड़ी, राजेश कावड़िया, ओमप्रकाश भट्ट, अनिल जोशी, दिलीप पंवार, आकाश चौधरी, गोपाल सोनी, श्याम मिश्रा, नारायण जोशी, श्याम उपाध्याय, अमरचंद खटीक, बुद्धराज सुराणा, सुमति हिंगड़, राजेन्द्र खींची सहित शाखा सदस्य उपस्थित रहे। नवसंवत्सर प्रकल्प प्रभारी हनुमान सिंह राठौड़ ने सभी आगन्तुक सदस्यो और ग्रामवासियो का आभार प्रकट

उत्साह के साथ नववर्ष मनाएं

रायपुर. नववर्ष पर आम लोगों को साथ लेकर कुछ नया करें। उत्साह के साथ नववर्ष मनाएं। यह बात भारत विकास परिषद के प्रान्तीय संगठन मंत्री संदीप बाल्दी ने भारत विकास परिषद शाखा रायपुर की ओर से कस्बे के सगरेव चौराहा स्थित परिषद कार्यालय में मंगलवार को आयोजित नववर्ष तैयारी बैठक कही। उन्होंने कहा कि नववर्ष के दिन सभी चौराहों व घरों के बाहर रंगोली बनाएं। भारत विकास परिषद के प्रान्तीय नववर्ष प्रमुख लादुलाल जागेटिया ने विचार व्यक्त किए। शाखा अध्यक्ष अखिलेश बोल्या ने बताया कि चैत्र प्रतिपदा को पुलिस थाना रायपुर के बाहर रंगोली बनाकर नववर्ष का स्वागत किया जाएगा। अनिवार्य मतदान की शपथ दिलाकर करपत्रकों के माध्यम से नववर्ष व मतदान का संदेश दिया जाएगा। बैठक में सचिव रमेशचंद्र वैष्णव, कोषाध्यक्ष कमलेश मून्दड़ा, संरक्षक सुभाषचंद्र झंवर व अनिल दाधीच, पूर्व सचिव डॉ. सत्यनारायण तातेला, सदस्य शांतिलाल सोनी, सम्पत सुथार, जगदीशचंद्र दाधीच, सुरेन्द्रसिंह सिसोदिया सहित अन्य उपस्थित थे।

कुछ समय देश सेवा के लिए भी निकालें आमजन

ब्यावर. भारत विकास परिषद ब्यावर द्वारा विश्व की प्राचीनतम काल गणना का प्रारंभ दिवस नववर्ष चैत्र शुक्ल प्रतिपदा विक्रम संवत 2076 का स्वागत कार्यक्रम हर्षोल्लास के साथ आयोजित हुआ। प्रकल्प प्रभारी संदीप नाहटा ने बताया कि प्रातः भारत माता सर्कल पर सूर्योदय की पहली किरण के साथ नववर्ष कार्यक्रम के आगाज का शुभारंभ भारत माता की मूर्ति पर शाखा अध्यक्ष राजेंद्र काबरा एवं सचिव प्रशांत पाबूलाल ने दीप प्रज्जवलित कर किया। उपाध्यक्ष अनिल भराड़िया, आलोक गुप्ता, कोषाध्यक्ष सतीश सर्राफ, भागीरथ हेड़ा आदि कई पदाधिकारी व सदस्य मौजूद थे।

बाल संस्कार एवं कौशल विकास शिविर

भारत विकास परिषद् शाखा स्वामी विवेकानन्द भीलवाड़ा द्वारा 7 दिवसीय बाल संस्कार एवं कौशल विकास शिविर का आयोजन स्थानीय परिषद् भवन, शास्त्रीनगर पर किया गया। जिसमें 92 बच्चों ने प्रशिक्षण लिया। शिविर में सकारात्मक सोच, आत्मविश्वास, सृजनशीलता, राष्ट्रभक्ति, गीतापठन, नैतृत्व क्षमता जैसे अन्य संस्कार सृजन कार्यक्रमों के माध्यम से बच्चों में संस्कार निर्माण का कार्यक्रम किया गया।

केरियर सेमिनार

भारत विकास परिषद् शाखा जालिया द्वितीय द्वारा राजकीय शास्त्री संस्कृत महाविद्यालय में एक दिवसीय केरियर सेमिनार का आयोजन किया गया जिसमें बच्चों को केरियर की जानकारी के साथ-साथ पढ़ाई का बोझ कैसे कम करें व बिना रटे सरल ट्रिक से विषयवस्तु को कैसे याद किया जा सके, की जानकारी प्रदान की गई। सेमिनार में 58 विद्यार्थियों ने भाग लिया।

सेमिनार में विद्यार्थियों को दिए टिप्स

बिजयनगर (टीकम हेमनानी) : भारत विकास परिषद् शाखा जालिया द्वितीय व राजकीय शास्त्री संस्कृत महाविद्यालय के संयुक्त तत्वावधान में सेमीनार का आयोजन किया गया। सेमिनार में वक्ता सुन्दर नाथ ने पढ़ाई का बोझ कैसे कम करें व बिना रटे किस प्रकार अध्ययन सामग्री को सरल ट्रिक्स से याद करें। विषयवस्तु पर अपने विचार रखते हुए याद करने की सरल ट्रिक्स विद्यार्थियों को सिखाई। कमलेश कुमावत ने प्रतियोगी परिक्षाओं में सफलता प्राप्त करने के उपायों पर चर्चा की। महाविद्यालय प्राचार्य रमेश चन्द भोजवानी ने शिविर में विद्यार्थियों के लिए सामान्य ज्ञान की कम्पीटीशन क्लासेस चलाने का भी प्रस्ताव रखा। सेमीनार में रतनलाल नाहर, श्यामसुन्दर चौधरी ने भी अपने अनुभव विद्यार्थियों के साथ बांटे। सेमीनार में गोविन्द नारायण शर्मा, मोहनलाल शर्मा, रामदेव शर्मा के साथ साथ शाखा अध्यक्ष सुनील कोठारी व शाखा सचिव सांवरलाल व्यास उपस्थित थे।

तुलसी पौधा वितरण व पक्षी परिण्डा वितरण

सेवा

परिण्डा वितरण – प्रान्त की 23 शाखाओं द्वारा अपने-अपने क्षेत्र में पक्षियों के लिए कुल 4545 पक्षी परिण्डों का वितरण किया व लगाए। ब्यावर शाखा ने 751 पक्षी परिण्डे वितरित किए एवं लगाए।
पुष्कर शाखा द्वारा 21 तुलसी गमलों का वितरण किया गया। यह कार्यक्रम मुख्य रूप से जुलाई माह में प्रस्तावित है।

वृक्षारोपण व जल मन्दिर संचालन

वृक्षारोपण – 5 जून विश्व पर्यावरण दिवस पर प्रान्त की शाखाओं द्वारा वृक्षारोपण का कार्यक्रम प्रारम्भ किया गया। गर्मी को ध्यान में रखते हुए शाखाओं ने जुलाई व अगस्त माह में अधिक से अधिक वृक्षारोपण का संकल्प लिया। इस संदर्भ में केकड़ी शाखा द्वारा नवाचार किया गया जिसमें प्रत्येक सदस्य को 5 वृक्ष अनिवार्य रूप से लगवाने का लक्ष्य दिया अथवा 600/- रू. शुल्क जमा कराने का आग्रह किया गया। इस धनराशि का उपयोग सवैतनिक व्यक्ति रखकर किया जाएगा जो वर्षपर्यन्त पौधों को लगाने व उनकी देखभाल का कार्य करेगा।

जल मन्दिर – 15 शाखाओं द्वारा अपने-अपने क्षेत्र में 58 अस्थायी जल मन्दिरों का शुभारम्भ किया गया। जो परिषद् सदस्यों एवं भामाशाहों के सहयोग से चलाए जा रहे हैं।

रायपुर. तीन साल पहले तक श्रीकृष्ण गोशाला में पौधे नहीं थे। छायादार पौधे तो भारत विकास परिषद परिवार द्वारा हर वर्ष लगाए जा रहे थे, लेकिन पक्षियों की भूख मिटाने के लिए एक भी फलदार पौधा नहीं था। परिषद के पर्यावरण प्रभारी रमेशचंद्र वैष्णव ने बताया कि जुलाई 2016 में परिषद ने 350 अनार, 750 अमरुद, 15 चीकू, 15 आंवला के पौधे रोपे। श्रीकृष्ण गोशाला के व्यवस्थापक ओमप्रकाश दाधीच ने इनके संरक्षण की जिम्मेदारी ली। इसमें 300 अनार, 400 अमरुद, 10 आंवले, 10 चीकू के पौधे तीन से पांच फीट तक बड़े हो चुके हैं। संरक्षक सुभाष झंवर, सचिव रमेशचंद वैष्णव व कोषाध्यक्ष कमलेश मूंदड़ा इस कार्य में लगे रहे।

नैत्र जाँच शिविर

नेताजी सुभाष भीलवाड़ा एवं गंगापुर शाखा द्वारा नेत्र चिकित्सा शिविरों का आयोजन किया गया जिसमें 352 रोगियों का पंजीयन कर जाँच की गई एवं 11 रोगियों के आँखों के ऑपरेशन नि:शुल्क किये गए।

स्वास्थ्य दिवस; 270 लोगों की आंखें जांची, नेत्रदान का महत्व भी बताया

चिकित्सा शिविर में 504 रोगियों का इलाज मोतियाबिंद ऑपरेशन के लिए 21 का चयन

रक्तदान

मध्य प्रान्त की 6 शाखाओं द्वारा 6 रक्तदान शिविरों के माध्यम से **370** युनिट रक्त संग्रहित किया गया। विशेषकर गुलाबपुरा शाखा द्वारा 22 मई को आयोजित शिविर में 148 युनिट रक्त संग्रहण

नैत्रदान : कुल 9 जोड़े

किशनगढ़ मुख्य (5)
स्वामी विवेकानन्द भीलवाड़ा (2)
नेताजी सुभाष भीलवाड़ा (1)
बिजयनगर (1)

स्वामी विवेकानन्द, भीलवाड़ा शाखा द्वारा श्रीमती भारती पत्नी श्री कविश अग्रवाल का मरणोपरान्त नेत्रदान करवाया गया। 26 मई 2019

मदनगंज किशनगढ़ शाखा द्वारा सुश्री टीना शर्मा पुत्री श्री मूलचन्द जी शर्मा का मरणोपरान्त नेत्रदान करवाया गया। 29 जून 2019

स्वामी विवेकानन्द, भीलवाड़ा शाखा द्वारा श्रीमती पारस देवी पत्नी श्री बाबूलाल जी डूंगरवाल का मरणोपरान्त नेत्रदान करवाया गया। 4 अप्रैल 2019

मदनगंज किशनगढ़ शाखा द्वारा श्री कल्याणमल शर्मा पुत्र श्री सूरजमल शर्मा, पीसांगन का मरणोपरान्त नेत्रदान करवाया गया। 3 जून 2019

नेताजी सुभाष, भीलवाड़ा शाखा द्वारा श्री रमेशचन्द्र नामधराणी पुत्र स्व. श्री सत्यनारायण नामधराणी का मरणोपरान्त नेत्रदान करवाया गया। 13 अप्रैल 2019

मदनगंज किशनगढ़ शाखा द्वारा कु.निर्मला देवी कृष्णानी पुत्री स्व. श्री भोजराज कृष्णानी का मरणोपरान्त नेत्रदान करवाया गया। 6 जून 2019

बिजयनगर शाखा द्वारा श्री चेतन शर्मा पुत्र श्री महावीर जी शर्मा का मरणोपरान्त नेत्रदान करवाया गया। 30 जून 2019

मदनगंज किशनगढ़ शाखा द्वारा श्री अनिल कुमार जैन पुत्र स्व. श्री प्रकाशचन्द्र जैन का मरणोपरान्त नेत्रदान करवाया गया। 14 अप्रैल 2019

मदनगंज किशनगढ़ शाखा द्वारा श्री चन्द्रप्रकाश सोनी पुत्र स्व. श्री पारसमल सोनी का मरणोपरान्त नेत्रदान करवाया गया। 7 जून 2019

चिकित्सा शिविर

चिकित्सा शिविर – 4 शाखाओं द्वारा 5 चिकित्सा शिविरों का आयोजन किया गया जिसमें एलोपेथिक एवं आयुर्वेदिक पद्धति से विभिन्न रोगों का नि:शुल्क उपचार व परामर्श एवं दवाईयाँ वितरित की गई। इन शिविरों के माध्यम से 990 रोगी लाभान्वित हुए। जिसमें विशेषकर गंगापुर शाखा द्वारा 12 अप्रेल को आयोजित चिकित्सा शिविर में 504 रोगी लाभान्वित हुए। विवेकानन्द शाखा भीलवाड़ा द्वारा प्रत्येक रविवार एक्यूप्रेशर शिविर व मधुमेह की दवा का नि:शुल्क वितरण एवं किशनगढ़ मुख्य शाखा द्वारा फिजियोथेरेपी सेन्टर का संचालन किया जा रहा है।

निशुल्क मिर्गी रोग चिकित्सा शिविर में, 190 रोगी हुए लाभान्वित

कान-नाक-गला शिविर में 101 रोगी लाभांवित, 8 के होंगे ऑपरेशन

निशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर संपन्न

विकास रत्न एवं विकास मित्र

सम्पर्क

भारत विकास परिषद् महाराणा प्रताप शाखा भीलवाड़ा के सदस्य श्रीमती एवं श्री शैलेन्द्र सिंह जी मेहता ने विकास रत्न हेतु 1,00,000/– रू. व श्री अरूण जी सुखवाल, श्री दलपत सिंह जी राठौड़ एवं श्री प्रमोद जी राठी ने विकास मित्र हेतु 11000/– रू. की सहयोग राशि केन्द्र को प्रेषित की।

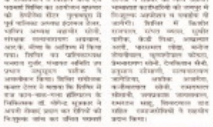

खेलकूद सप्ताह - 2019 : 23 जून से 30 जून तक

भारत विकास परिषद्, युवा शाखा भीलवाड़ा ने खेलकूद सप्ताह में शहर की सभी शाखाओ के सदस्यों के मध्य खेलकूद की परिकल्पना को साकार किया। खेलकूद सप्ताह में बच्चों, महिलाओं एवं पुरुषों के लिये अलग–अलग वर्ग में क्रिकेट, वालीबाल, बैडमिंटन, कैरम, चेस, हिट द स्टंप्स, रस्साकस्सी, 100 मीटर रेस आदि प्रतियोगिताएँ आयोजित की गई । सभी खेलो को मिलाकर इस वर्ष 443 प्रविष्टियां प्राप्त हुई, नवाचार करते हुए पहली बार महिला क्रिकेट प्रतियोगिता का आयोजन किया और इस आयोजन के पीछे शाखा की सोच महिला सशक्तिकरण की दिशा में एक नया कदम की रही। प्रतियोगिता में जीतने वाले प्रतियोगियों को ट्राफी प्रदान की गई और सभी प्रतिभागियों को सर्टिफिकेट दिए गये साथ ही प्रभारी–सहप्रभारी को स्मृति चिन्ह प्रदान किये गये।

अभिरुचि शिविर

कुल 15 शाखाओं द्वारा 16 अभिरूचि शिविरों के माध्यम से 177 विधाओं में 3717 प्रतिभागियों ने प्रशिक्षण प्राप्त किया।

मुख्य विधाएँ – स्केटिंग, क्ले एवं पेपर आर्ट, जुम्बा, कार्ड मेकिंग, हैंडराइटिंग सुधार, मेंहदी, मैरिज पैकिंग, कुकिंग, कैलिग्राफी, ढ़ोलक, हेयर स्टाइल, आर्ट एन्ड क्राफ्ट पेपर वर्क, डांस, मेंहदी, पेंटिग, एरोबिक, ब्यूटीशियन कोर्स, कैलिग्राफी, साडी ड्रेपिंग का प्रशिक्षण।

शिविर के विशेष आकर्षण –

1. शाखा जालिया द्वितीय द्वारा 2 माह का शिविर। जिसमें रोजगार उन्मुखी कंप्यूटर प्रशिक्षण दिया गया। शिविर समापन पर समस्त कार्यक्रम व प्रतिवेदन ऋषिवाणी संस्कृत में प्रस्तुत किया।

2. शाखा बिजयनगर द्वारा 2 शिविर लगाए गए जिसमें विशेषकर एक शिविर शाखा द्वारा एक शाखा एक गाँव प्रकल्प के अन्तर्गत बरल दोयम में नि:शुल्क लगाया गया जिसमें आस–पास के 9 गाँवों से 325 प्रतिभागियों ने प्रशिक्षण लिया। प्रतिभागियों को लाने व लेजाने की नि:शुल्क व्यवस्था की गई।

3. शाखा गुलाबपुरा में आयोजित शिविर में प्रतिदिन भारत को जानो पुस्तक पर आधारित प्रश्नावली कार्यक्रम रहा। विजेताओं को पुरस्कृत किया गया।

4. युवा शाखा भीलवाड़ा द्वारा सर्वाधिक पंजीयन – 593 प्रतिभागियों ने प्रशिक्षण लिया।

5. शाखा नेताजी सुभाष भीलवाड़ा द्वारा शिविर में बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ व नशा मुक्ति के विशेष कार्यक्रमों का आयोजन किया गया।

6. शाखा राजसमन्द द्वारा आयोजित शिविर में महिलाओं को स्कूटी चलाने का प्रशिक्षण दिया गया।

7. शाखा ब्यावर द्वारा आयोजित शिविर में बच्चों को तैराकी के गुर सिखाए गए।

8. शाखा स्वामी विवेकानन्द, भीलवाड़ा द्वारा आयोजित शिविर में परिषद् की महिला सदस्यों द्वारा

अभिरूचि शिविर में करें समय का सदुपयोग

भीलवाड़ा। ग्रीष्मावकाश में बच्चों के समय का सदुपयोग के साथ बहुत कुछ नया सीखने को मिलता है। यह बात अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक दिलीप सैनी ने भारत विकास परिषद ,सुभाष शाखा के अभिरूचि शिविर का अवलोकन

भाविप का अभिरूचि प्रशिक्षण शिविर प्रारंभ

राजसमंद (प्रातःकाल संवाददाता)। भारत विकास परिषद जिला शाखा द्वारा 12 से 18 जून तक आयोजित अभिरूचि प्रशिक्षण शिविर का शुभारंभ बुधवार को राजनगर स्थित राउमावि विद्यालय में मां भारती एवं स्वामी विवेकानंद की छवि के सम्मुख दीप प्रज्वलन कर किया गया। शिविर में नृत्य, ज्वैलरी मेकिंग, ब्युटीशियन, संगीत एवं वाद्य यंत्र, चित्रकला, अबेकस, जुडो-कराटे, सिलाई, रंगोली, विवाह सामग्री पैकिंग, स्केटिंग, करियर काउन्सलिंग, स्कूटर ड्राईविंग आदि विषयों का प्रशिक्षण दक्ष प्रशिक्षकों द्वारा दिया जाएगा। शिविर में 260 से अधिक प्रतिभागियों का पंजीयन किया गया। इस अवसर पर परिषद के समस्त सदस्य उपस्थित थे।

अभिरुचि शिविर जैसे प्रयास जरूरी

भीलवाड़ा. जिला एवं सेशन न्यायाधीश प्रकाश चंद्र पगारिया ने भारत विकास परिषद युवा शाखा के अभिरुचि शिविर का अवलोकन किया। उन्होंने कहा कि बच्चों में मोबाइल और टीवी संस्कृति इतनी हावी है कि बच्चों का विकास रुक गया। इस अभिरुचि शिविर से छिपी हुई प्रतिभा उभरेगी। भाजपा नेता दामोदर अग्रवाल, कैलाश सोनी एवं भाविप के रीजनल चेयरमैन शांति लाल पानगड़िया ने भी अवलोकन किया। कार्यक्रम प्रभारी रिंकू सोमानी ने बताया कि यह शिविर दिनांक 10 मई तक चलेगा।

अभिरुचि शिविर के समापन पर प्रशस्ति पत्र दिए

अभिरुचि शिविर कार्यक्रम की झलकियां व मीडीया रिपोर्ट

अभिरुचि शिविर का समापन

शिविरार्थियों में प्रतिभा निखारने का जगा जज्बा

भारत विकास परिषद का अभिरूचि शिविर का आगाज

मदनगंज-किशनगढ़. भारत विकास परिषद मुख्य शाखा की ओर से अजमेर रोड स्थित महावीर भवन में अभिरूचि शिविर शुरू किया गया। इससे पहले शाखा प्रभारी महेंद्र मित्तल, जिला सचिव विजय शर्मा एवं कार्यक्रम अध्यक्ष नितिन गर्ग ने मां सरस्वती एवं स्वामी विवेकानंद के चित्र पर माल्यार्पण किया। परिषद के प्रचार प्रसार प्रभारी गिरधारी अमरवानी ने बताया कि प्रशिक्षकों का परिषद की ओर से स्वागत किया गया। कार्यक्रम प्रभारी ममता रावका व पार्वती कुमावत ने बताया कि जुम्बा एरोबिक्स की प्रातः 7 से 8 बजे तक क्लास चली, जिसमें प्रशिक्षिका सुरभि जैन ने एरोबिक्स के स्टेप सिखाए। पायल सारड़ा ने मेहंदी, मोनिका विरवा ने आत्मरक्षा के गुर सिखाए। ब्यूटीशियन के लिए

मीनाक्षी टेलर ने बालिकाओं और महिलाओं, आर्ट और क्राफ्ट के लिए देवेंद्र कुमावत ने अपने हुनर सिखाए। नेहा अग्रवाल ने 10 वर्ष से अधिक आयु के बालक बालिकाओं को प्रशिक्षण दिया।

गोटा पत्ती के लिए अनिता जैन और रीना छापरवाल, डांस के लिए रजनी अजमेरा ने महिलाओं को स्टेप सिखाए। कुकिंग प्रशिक्षण सरिता गोलेछा और अन्य प्रतिभागियों को अमित शर्मा ने डांस सिखाया। संचालन सरिता मंत्री और शशि छापरवाल ने किया। धन्यवाद सरोज शर्मा ने दिया। साथ ही अनिल रावका, राजेंद्र कर्णावट, जुगल किशोर राठी, संध्या शर्मा सुलोचना शर्मा, मानकंवर गोयल, अर्चना गोयल, कुसुम अग्रवाल आदि रहे।

स्वाभिमान कवि सम्मेलन

महाराणा प्रताप, भीलवाड़ा शाखा द्वारा अखिल भारतीय स्वाभिमान कवि सम्मेलन का आयोजन आजाद चौक में किया गया। जिसमें भारत वर्ष से आए ख्यातनाम कवियों ने काव्यपाठ किया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि भीलवाड़ा सांसद श्री सुभाष जी बहेड़िया, विधायक श्री विट्ठल शंकर जी अवस्थी, श्री लक्ष्मीनारायण जी डाड, श्री आर. एल नौलखा, जिन्दल शॉ के लाईजनिंग हैड श्री राजेन्द्र जी गौड़, भीलवाड़ा की चारों शाखाओं के पदाधिकारी एवं लगभग 2000 श्रोता उपस्थित थे।

योग शिविर

विश्व योग दिवस पर प्रान्त की 26 शाखाओं द्वारा योगाभ्यास एवं प्रताप भीलवाड़ा, बिजयनगर, अजमेर मुख्य, ब्यावर व जहाजपुर द्वारा 10 दिवसीय योग शिविर का अयोजन किया गया।

महिला जागरुकता

युवा शाखा अजमेर द्वारा 'मुस्कान' प्रकल्प के अन्तर्गत महिलाओं को 12000 सेनेट्री पैकेट रियायती दर पर वितरित किए।

नेताजी सुभाष भीलवाड़ा द्वारा समाज की विभिन्न वर्ग की महिलाओं के मध्य पारंपरिक गीतों की अंताक्षरी प्रतियोगिता कराई गई।

सिलाई प्रशिक्षण शिविर

मातृशक्ति को आत्मनिर्भर बनाने के उद्देश्य से नेताजी सुभाष शाखा भीलवाड़ा द्वारा एक माह (15 जून से 15 जुलाई) का नि:शुल्क सिलाई प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया जा रहा है। शिविर में 73 महिलाएँ प्रशिक्षण प्राप्त कर रही है। प्रशिक्षण श्रीमती उषा जी अग्रवाल द्वारा नि:शुल्क प्रदान किया जा रहा है।

भारत को जानो प्रतियोगिता की महत्ता

भारत एक प्राचीन एवं विशाल देश है जहां पूर्व से पश्चिम और उत्तर से दक्षिण तक भौगोलिक ऐतिहासिक सांस्कृतिक राजनीतिक व सामाजिक विविधताएं परिलक्षित होती हैं। हजारों वर्षों के हमारे गौरव पूर्ण इतिहास में हमारी विभिन्नताओं के साथ-साथ कुछ विदेशी संस्कृतियों ने भी भारत में आश्रय प्राप्त किया। सभी को आत्मसात करने की अद्‌भुत क्षमता भारतीय संस्कृति में रही है, इसीलिए जहां अनेक देशों की सभ्यता व संस्कृतियाँ विलुप्त हो गई, हमारे देश की सभ्यता तथा संस्कृति अक्षुण्ण रही है। समय-समय पर विदेशी आक्रांताओं द्वारा हमारी सभ्यता और संस्कृति पर हमले भी होते रहे हैं। इसका दुष्परिणाम यह हुआ है कि विदेशी शासकों व मिशनरियों के द्वारा इतिहास, हमारी प्राचीन मान्यताएं, दुर्लभ शास्त्र जिनमें ज्ञान विज्ञान का खजाना भरा पड़ा था, सभी को विकृत रूप से हमारे विद्यार्थियों के सामने प्रस्तुत किया गया। हमारे शूरवीर राजा महाराजाओं, विद्वान ऋषि मुनियों, वीरांगनाओं, आयुर्वेदाचार्यों, गणितज्ञों, वैज्ञानिकों, दार्शनिकों आदि को भी स्मृति के गर्भ में डुबोकर, विकृत रीति-रिवाजों, जादू-टोनों, भिखारियों, कायरों आदि के देश के रूप में प्रस्तुत किया गया, जिससे देश का युवा वर्ग अपने अतीत पर गर्व करना तो दूर, उसे अभीष्ट प्यार भी न दे सका। 'भारत को जानो प्रतियोगिता' का उद्देश्य इस प्रकार की भ्रान्तियों को मिटा कर वास्तविकताओं से अपने विद्यार्थियों को अवगत कराना एवं अपने देश, संस्कृति, इतिहास, धर्म तथा आधुनिक भारत के सकारात्मक पक्ष की जानकारी प्राप्त करने की जिज्ञासा उत्पन्न करना है, जिससे वे अपने देश को प्यार एवं उस पर गर्व कर सकें।

प्रतियोगिता का पाठ्यक्रम:- 1. धर्म एवं संस्कृति:- देवी देवता, प्राचीन धार्मिक, वैज्ञानिक, दार्शनिक ग्रन्थ, उनके लेखक, प्रसिद्ध आख्यान, ललित कलाऐं, प्रदर्शन कलाऐं एवं सांस्कृतिक परंपराएँ। 2. इतिहास:- प्रसिद्ध ऐतिहासिक घटनाएं, राजा महाराजा, प्रसिद्ध वंश, युद्ध तथा संधियां, स्मारक व उपलब्धियां। 3. राजनीति एवं संविधान:- स्वतंत्र भारत के संविधान के विषय में जानकारी, वर्तमान राजनीतिक व्यवस्था, प्रमुख राजनीतिक घटना चक्र आदि। 4. भूगोल व अर्थव्यवस्था:- भारत के प्राकृतिक एवं राजनीतिक भाग, प्रसिद्ध नदियां, पर्वत जलवायु, प्राकृतिक संपदा एवं खनिज, प्रसिद्ध नगर एवं अन्य स्थान, उद्योग, व्यापार तथा भारत की विकासशील अर्थव्यवस्था आदि। 5. साहित्य:- प्रसिद्ध पुस्तकें एवं उनके लेखक, प्रतिष्ठित व्यक्तियों के कथन। 6. खेलकूद:- भारत से संबंधित खेल जानकारियां, खिलाडी एवं उपलब्धियाँ। 7. विविध:- विभिन्न क्षेत्रों में प्राचीन तथा अर्वाचीन प्रसिद्ध व्यक्ति, सम्मान व पुरस्कार तथा भारत संबंधी अन्य सकारात्मक जानकारियां एवं सूचनाएं।

मुकेश लाठी
9214114121

गुरुवन्दन - छात्र अभिनन्दन दिशा निर्देश

प्रत्येक विद्यालय/महाविद्यालय में गुरूवन्दन-छात्र अभिनन्दन कार्यक्रम आयोजन के लिए निम्न रूपरेखा के अनुसार तैयारी करें -

1. शाखा स्तर पर प्रकल्प प्रमुख की नियुक्ति कर 5-7 सदस्यीय समिति का निर्माण करें जिसमें एक सदस्य अच्छा वक्ता हो जो विद्यालय में गुरूवन्दन छात्र अभिनन्दन कार्यक्रम पर विस्तृत प्रकाश डाल सके।

2. यह आयोजन शाखा स्तर के सभी विद्यालयों एवं महाविद्यालयों की एक सूची बनाकर इनमें अलग-अलग दिवसों पर किया जा सकता है। नगर के संभ्रान्त नागरिकों को भी आमंत्रित किया जा सकता है। 3. इन संस्था प्रधानों के नाम एक पत्र तैयार कर प्रेषित करें जिसमें कार्यक्रम आयोजित करने का अनुरोध, संभावित दिनांक मेधावी एवं श्रेष्ठ विद्यार्थियों के नाम जिन्हें सम्मानित किया जाना है, आदि

सूचनाऐं शीघ्र प्रेषित हेतु अनुरोध किया जावे। जहां तक सम्भव हो प्रार्थना का समय भी अवश्य ले लेवें ताकि कार्यक्रम की सूचना देने में आसानी रहे। 4. मेधावी व श्रेष्ठ विद्यार्थियों के चयन में परीक्षा परिणाम, खेल व अन्य साहित्यिक, सांस्कृतिक गतिविधियों को आधार बनाया जावे। 5. प्रत्येक विद्यालय में कार्यक्रम हेतु जाते समय कुमकुम, पुष्प, नारियल, भारत माता का चित्र, अगरबत्ती, माचिस, मोमबत्ती, परिषद बैनर, प्रमाण पत्र, श्रीफल, आयोजन का प्रारूप आदि साथ ले जावें। 6. विद्यालय में कार्यक्रम से 15 मिनिट पूर्व अवश्य जाकर मंच व्यवस्थित करें। भारत माता के चित्र की स्थापना करें। संस्था प्रधान महोदय से भारत माता के चित्र पर माल्यार्पण करावें एवं विधिवत् वन्देमातरम् का गायन करवाकर कार्यक्रम का शुभारम्भ करें। शाला द्वारा स्वागत के बाद परिषद् सदस्य अपने वक्तव्य में भारत विकास परिषद की स्थापना, उद्देश्यों एवं परिषद द्वारा आयोजित किये जाने वालों प्रकल्पों पर प्रकाश डालें। तत्पश्चात् गुरू-वन्दन-छात्र -अभिनन्दन कार्यक्रम की अभिव्यक्ति दें । परिषद् के सदस्य सभी गुरूजन का तिलक लगाकर श्रीफल एवं पुष्प अर्पित कर वंदन करें। मेधावी व श्रेष्ठ विद्यार्थियों को प्रमाण पत्र एवं प्रतीक चिन्ह देकर सम्मानित करें। प्रमाण पत्र देते वक्त निम्न दो पंक्तियों का उच्चारण किया जा सकता है।

क्या अर्ज करें श्री चरणों में नोली तो यहां पर खाली है। तन, मन के दो चावल ले लो ये भेंट सुदामा वाली है।

7. शाला प्रधान जी द्वारा दिये गये सहयोग के प्रति आभार प्रकट करें तथा कार्यक्रम की समाप्ति पर परिषद् सदस्य सभी विद्यार्थियों को गुरूवन्दन छात्र अभिनन्दन व नशा मुक्ति की शपथ दिलावें।

एम.के.रांका
9414740989

राष्ट्रीय, संस्कृत समूहगान एवं लोकगीत प्रतियोगिता की महत्ता

परिषद् द्वारा सेवा एवं संस्कार के कार्यक्रमों के तहत बच्चों में भारतीय संस्कृति व विरासत को संचित करने हेतु कई कार्यक्रम आयोजित किये जाते हैं। राष्ट्रीय समूहगान प्रतियोगिता भारत विकास परिषद द्वारा 'संस्कार निर्माण' के उद्देश्य से किये जा रहे विभिन्न प्रकल्पों में सर्वाधिक लोकप्रिय प्रकल्प है। परिषद् का मूल उद्देश्य है कि बच्चों में संस्कार का बीज बचपन से ही बोया जाय। इस प्रकल्प के माध्यम से परिषद् देश के नन्हें, नौनिहालों तथा युवा पीढ़ी में भी राष्ट्रीयता की भावना, चारित्रिक गुण, सामाजिक उत्तरदायित्व और नैतिकता के मूल्यों का सृजन करने हेतु संकल्पित करती है क्योंकि संस्कारों की नींव पर ही जीवन की ईमारत व भविष्य खड़ा होता है। इसलिए हमें यह जानना जरूरी है कि हमने बच्चों को जीवन में विरासत के रूप में कुछ दिया या नहीं दिया यह महत्वपूर्ण नहीं अपितु संस्कारों की विरासत कितनी दी यह महत्वपूर्ण है।

राष्ट्रीय समूहगान प्रतियोगिता में हिन्दी एवं संस्कृत गीतों के साथ ही क्षेत्रीय गीतों की प्रतियोगिता भी होती है। भारत एक विशाल देश है और देश के प्रत्येक राज्य एवं क्षेत्रों का अपना गौरवपूर्ण अतीत है, अपने-अपने क्षेत्रों की वीर-गाथाएँ है और क्षेत्रों के सांस्कृतिक मूल्यों के अनुरूप गीत एवं संगीत की परम्पराएँ हैं। इन्हीं की सामूहिक अभिव्यक्ति का माध्यम है 'क्षेत्रीय समूहगान प्रतियोगिता'। इसमें विभिन्न क्षेत्रों, वेश-भूषाओं, भाषाओं एवं भिन्न-भिन्न संगीत यंत्रों के द्वारा आयोजन गरिमामयी भारत का सुन्दर एवं समग्र चित्र बना देते हैं। राष्ट्रीय समूहगान प्रतियोगिता परिषद् द्वारा चयनित गीतों की पुस्तिका 'राष्ट्रीय चेतना के स्वर' पर आधारित होती है, जिसमें राष्ट्रभाव एवं राष्ट्रीय एकात्मता के विभिन्न पहलुओं को लेकर गीतों का चयन किया जाता है, यद्यपि समय-समय पर इसमें परिवर्तन किया जाता रहा है। इन गीतों में राष्ट्र-प्रेम की भावना को संचारित करने पर विशेष बल दिया गया है, जिसमें प्रत्येक प्रकार के राष्ट्र सेवा की संकल्पना है।

दिलीप पारीक
9414258895

प्रकल्प एक शाखा एक गाँव के अन्तर्गत सूची

केन्द्रीय नैतृत्व द्वारा गाँव को आदर्श गाँव बनाने के लिए एक शाखा एक गाँव का प्रस्ताव फरीदाबाद अधिवेशन में रखा गया। इस प्रस्ताव के अन्तर्गत राजस्थान मध्य प्रान्त की 25 शाखाओं द्वारा अपने-अपने क्षेत्र में एक गाँव को आदर्श गाँव बनाने का संकल्प लिया गया।

जिला अजमेर - संयोजक : श्री आलोक गुप्ता-9414009590

	शाखा	गाँव का नाम	प्रभारी का नाम
1	किशनगढ़-स्वामी विवेकानन्द	मालियों की बाड़ी	श्री आशीष गौड़
2	आदर्श अजमेर	बडगाँव	श्री राजकुमार सेठ
3	जालिया द्वितीय	खूँटियाँ	श्री मोहनलाल शर्मा
4	अंराई	भामोलाव	श्री कमल मेहता
5	रूपनगढ़	पनेर	श्री सोहनसिंह राजपुरोहित
6	ब्यावर	माँगलियावास	श्री भागीरथ हेड़ा
7	केकड़ी	बोगला	श्री बरदीचन्द वैष्णव
8	बिजयनगर	बरल	श्री अनिल कुमार आचार्य
9	भीनाय	रेन	श्री भागचन्द जाट
10	पुष्कर	गनाहेड़ा	श्री रामस्वरूप दोराया

जिला भीलवाड़ा - संयोजक : श्री किशोर राजपाल - 9252996288

1	स्वामी विवेकानन्द भीलवाड़ा	लक्ष्मीपुरा	श्री लवकुश काबरा
2	महाराणा प्रताप भीलवाड़ा	अमरगढ़	श्री लक्ष्मी लाल शर्मा
3	नेताजी सुभाष भीलवाड़ा	सिदड़ीयास	श्री मदन खटोड़
4	भीलवाड़ा-युवा	रीछड़ा	श्री विनोद कोठरी
5	माण्डल	बलाईखेड़ा	श्री रमेशचन्द्र बलाई
6	शाहपुरा	ढ़ीकोला	श्री गोविन्द चेचाणी
7	गंगापुर	राणास	श्री चमन लोसर
8	फूलियाकलां	तस्वारिया बांसा	श्री कैलाशचन्द्र शर्मा
9	आसीन्द	पड़ासोली	श्री मनोहरलाल पारीक
10	जहाजपुर	शकरपुरा	श्री ललित पारीक
11	गुलाबपुरा	भोजरास	श्री प्रमोद टेलर

जिला राजसमन्द - संयोजक : श्री ओमप्रकाशमन्त्री - 9829297201

1	श्री नाथद्वारा	पाखण्ड़	श्री बी.न.चौहान
2	राजसमन्द	बोराज	श्री शैलेष
3	आमेट	भोलीखेड़ा	श्री विनोद
4	देवगढ़	विजयपुरा	श्री अन्नत प्रकाश पालीवाल

एक शाखा - एक गाँव प्रकल्प के अन्तर्गत युवा शाखा भीलवाड़ा द्वारा रीछड़ा गांव में मुस्कान प्रोजेक्ट प्रारम्भ किया गया जिसके अन्तर्गत गाँव के गरीब बच्चों, महिला एवं पुरूषों को कपड़े, बर्तन एवं जीवन यापन हेतु आवश्यक सामग्री वितरित की गई। बिजयनगर शाखा द्वारा बरल गाँव में नि:शुल्क अभिरूचि शिविर का आयोजन किया गया जिसमें 325 प्रतिभागियों ने भाग लिया। विवेकानन्द भीलवाड़ा द्वारा लक्ष्मीपुरा गाँव में पर्यावरण दिवस पर वृक्षारोपण कर प्रकल्प का शुभारम्भ किया गया।

गुरुवन्दन छात्र अभिनन्दन शपथ

मैं शपथ लेता/लेती हूँ कि मैं सदा अपने माता-पिता, गुरूजनों, नारी जाति और सभी बड़ों का सदा सम्मान करूंगा/करूंगी। मैं अपनी राष्ट्रीय संस्कृति, रीति-रिवाज, नैतिक मूल्यों और सामाजिक अधिकारों को ध्यान में रखते हुए अपने कर्तव्य और दायित्वों को भली भांति निभाऊंगा/निभाऊंगी। मैं स्वयं भी और दूसरों को भी सर्वोत्तम बनने की प्रेरणा दूँगा/दूँगी। मैं अपने पूरे जीवन में किसी भी तरह के नशे का सेवन नहीं करूंगा/करूंगी और न ही अपने किसी परिचित को ऐसा करने दूंगा/दूंगी। मैं अपने मन और विचारों को भी व्यसन मुक्त रखुंगा/रखुंगी।

'' भारत माता की जय ''

बेटी बचाओ - बेटी पढ़ाओ की शपथ

मैं भारत का नागरिक, आज यह शपथ लेता/लेती हूँ कि मैं लिंग भेद और लिंग चयन जो कि बालिकाओं के अस्तित्व को खतरे में डालता है, उस मानसिकता का त्याग करूंगा/करूंगी। जिससे यह सुनिश्चित हो कि लड़कियाँ जन्म लें, उन्हें समान प्यार व शिक्षा मिले और देश का सशक्त नागरिक बनने का समान अवसर मिले।

मैं यह भी संकल्प लेता/लेती हूँ कि मैं जन्म पूर्व लिंग पहचान के आधार पर हो रही भ्रूण हत्या को व्यक्तिगत रूप से और सामूहिक रूप से समाप्त करने की मुहीम में अपना भरपूर सहयोग दूँगा/दूँगी।

मैं यह भी शपथ लेता/लेती हूँ कि मैं अपने देश की महिलाओं एवं पुरूषों में बेटी बचाओ - बेटी पढ़ाओ के संदेश का प्रचार प्रसार करूंगा/करूंगी।

''जय हिन्द ''

॥ जल ही जीवन है ॥ ॥ बेटी बचाओ - बेटी पढ़ाओ॥

स्वच्छ - स्वस्थ - समर्थ - संस्कारित भारत

विकास रत्न एवं विकास मित्र

योग शिविर

स्वच्छता अभियान

पारंपरिक गीत प्रतियोगिता

बाल संस्कार शिविर

योगाभ्यास

अभिरुचि शिविर

सिलाई प्रशिक्षण

नवसंवत्सर

प्रेषक :

सीए संदीप बाल्दी

प्रान्तीय महासचिव, भारत विकास परिषद्

गोविन्दम्, 306-314, पुर रोड़, भीलवाड़ा-311001 मो. 9829851444